Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to give plantation of betel leaf status as agricultural farming.

श्रीमती अनुप्रिया पटेल (मिर्जापुर): माननीय अध्यक्ष जी, भारत के 11 राज्यों**,** पश्चिम बंगाल**,** असम, कर्नाटक, तमिलनाडु, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, बिहार, केरल, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में चौरसिया समाज के 20 लाख लोग निरंतर पान के पत्ते की खेती के कार्य में लगे हुए हैं और हर वर्ष छ**:** लाख टन इसका उत्पादन करते हैं**,** जो 29 देशों में निर्यात किया जाता है। वर्तमान समय में पान की खेती बागवानी के अंतर्गत आती है और कृषि का दर्जा प्राप्त नहीं होने के कारण, इसे बीमा, सब्सिडी, सस्ती बिजली और बैंक से कम ब्याज पर ऋण, सरकारी मूल्य पर कीटनाशक दवाएं और प्राकृतिक आपदा की स्थिति में किसी भी प्रकार के मुआवजे का लाभ नहीं मिल पा रहा है। लंबे समय से देश का चौरसिया समाज, जो कई राज्यों में निवास करता है, यह मांग कर रहा है कि पान की खेती को कृषि का दर्जा प्रदान किया जाए।

इसलिए आपके माध्यम से मेरा माननीय कृषि मंत्री जी से आग्रह है कि इस दिशा में कदम उठाएं और पान की खेती को बागवानी के दायरे से निकाल कर कृषि का दर्जा देने का प्रयास करें।

माननीय अध्यक्ष :

डॉ. मनोज राजोरिया को श्रीमती अनुप्रिया पटेल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।